



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

23/12/99

सं. 218 ]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 5, 1999/आश्विन 13, 1921

No. 218 ]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 5, 1999/ASVINA 13, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1999

प्रारंभिक निष्कर्ष

विषय : इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, थाइलैण्ड और ताइवान से नाइलोन टायर कॉर्ड फैब्रिक ( एन टी सी एफ ) के आयातों से संबंधित पाटन रोधी जांच—प्रारंभिक निष्कर्ष

सं 31/1/98-डी जी ए डी. — 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम

1975 तथा उसके सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियमों की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

## ॥ क ॥ क्रियाविधि

1॥ जांच के संबंध में निम्नीलिखित क्रियाविधि अपनाई गई है:-

11॥ नियमों के अंतर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी ॥ जिसे इसके पश्चात् प्राधिकारी कहा जाएगा ॥ को घरेलू उद्योग की ओर से स्पोटिशन आफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्री <sup>एय</sup> ~~एय~~ <sup>एय</sup> आई ॥ से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसमें इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, थाइलैण्ड और ताइवान ॥ जिन्हें इसके पश्चात् संबंधित देश कहा जाएगा ॥ के मूल के या वहां से निर्यात किए गए नाइलोन टायर कॉर्ड फैब्रिक ॥ जिसे इसके पश्चात् एन टी सी एफ कहा जाएगा ॥ के पाटन का आरोप लगाया गया था;

111। प्राधिकारी ने याधिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर संबंधी संबंधित देशों से एन टी सी स्फ के आयातों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय

लिया। प्राधिकारी ने उक्त नियमों के उप नियम 5।5। के अनुसार जांच शुरू करने की कार्रवाई से पहले पाटन का आरोप प्राप्त होने के बारे में संबंधित देशों के दूतावासों को सूचित किया।

1।1। प्राधिकारी ने दिनांक 26 फरवरी, 1979 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया, जिसके द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 उपशीर्ष 5902.10.00 के अंतर्गत वर्गीकृत संबंधित देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एन टी सी स्फ के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की गई।

1। प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याधिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग संघों को भेजी और नियम 6।2। के अनुसार उन्हें लिखित रूप में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

1।1। प्राधिकारी ने भारत में एन टी सी स्फ के ज्ञात आयातकों को उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उनसे कहा गया कि वे पत्र की तारीख से पालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराएं।

1।1। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से अनुरोध किया गया था कि वह जांच की अधि संहित पिछले 3 वर्षों के दौरान हुए एन टी सी स्फ के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करने की व्यवस्था करें।

1।1। प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6।3। के अनुसार याधिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबंधित देशों के दूतावासों को उपलब्ध करवायी।

1। प्राधिकारी ने नियम 6।4। के अनुसार संगत सूचना प्राप्त करने के लिए इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड और ताइवान के निम्नीलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी:-

- \* मैसर्स पी टी जी टी पेट्रोकेम, इंडोनेशिया।
- \* मैसर्स स्फ सी स्फ सी (फोरमोसा केमिकल्स) और फोरमोसा टैपेटा कं- (स्फ आई सी) ताइवान।

- \* मैसर्स थाई बड़ौदा लि., बैंगलूर, थाइलैंड ।
  - \* मैसर्स ह्योसागूतांग यांगसिओल, दीक्ष्ण कोरिया ।
- उपरोक्त सभी निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुआ था ।

X॥ नियम 6॥2॥ के अनुसार, नई दिल्ली में संबंधित देशों के दूतावासों को इस अनुरोध के साथ जांच शुरू करने के संबंध में सूचना दी गई थी कि वे अपने अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए करें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ दूतावासों को भी भेजी गई थी ।

XI॥ नियम 6॥4॥ के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में सन टी सी स्फ के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई थी :

- \* मैसर्स अपोलो टायर्स, नई दिल्ली ।
- \* मैसर्स बिड़ला टायर्स, कलकत्ता ।
- \* मैसर्स सिएट लि०, बम्बई ।
- \* मैसर्स ठनलप इंडिया लि०, कलकत्ता
- \* मैसर्स जे० के० टायर्स, नई दिल्ली ।
- \* मैसर्स एम आर स्फ लि०, मद्रास ।
- \* मैसर्स मोदी रबड़ लि०, नई दिल्ली ।
- \* मैसर्स मोदीस्टोन लि०, नई दिल्ली ।
- \* मैसर्स विक्रांत टायर्स, मैसूर ।
- \* मैसर्स पोस्ट कालम्पेरी, जिला सनाकुलम केरल
- \* मैसर्स पैनर इंडिया लि०, कोचाडई, मदुरै ।
- \* मैसर्स मदुरा कोट्स लि०, न्यू जेल रोड, मदुरै ।

निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मांगी गई सूचना के बारे में निम्नलिखित आयातकों और उनके संघों ने उत्तर दिया है :-

- \* मैसर्स आयेओटिव टायर मेनुफैक्चर्स एसोसिएशन ए टी एम ए॥,
- \* मैसर्स बिड़ला टायर्स कलकत्ता ।
- \* मैसर्स विक्रांत टायर्स लि०, मैसूर ।
- \* मैसर्स मोदी रबड़ लि०, नई दिल्ली ।

XI.॥ याचिकाकर्ता से क्षति के संबंध में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो प्राप्त भी हो गई थी ।

XI.॥ प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय रूपान्तर सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराए और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा;

XI.॥ प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग का मौके पर स्थापन किया ।

XI.॥ सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबंधित वस्तु के निर्माण और उसकी बिक्री की लागत निकालने के लिए लागत संबंधी जांच भी की गई थी ।

XI.॥\*\*\*\* से इस अधिसूचना में याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और इसे प्राधिकारी <sup>द्वारा</sup> नियमों के तहत गोपनीय ही समझा गया है ।

XI.॥ यह जांच 1 अप्रैल, 1998 से 31 दिसम्बर, 1998 तक की अवधि के लिए की गई थी ।

### ॥ छ ॥ याचिकाकर्ता का विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में निम्नीलिखित मुद्दे उठाए हैं:-

1. पाटन के बारे में:-

॥ क ॥ वर्ष 1996-97 की तुलना में वर्ष 1997-98 में संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में लगभग 16% की बढ़ोतरी हुई है । वर्ष 1996-97 की तुलना में वर्ष 1998-99 में आयातों में बढ़ोतरी लगभग 43% की हुई है । इस प्रकार, वर्ष 1996-97 और वर्ष 1997-98 दोनों वर्षों में आयातों की मात्रा में समग्र रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

॥ वर्ष 1996-97 की तुलना में वर्ष 1997-98 में इकाई औसत कीमत में लगभग 10% की गिरावट आई है । वर्ष 1998-99 में महीने में औसत कीमत लगभग 9% है जो वर्ष 1996-97 से कम है ।

॥ यद्यपि वर्ष 1997-98 की तुलना में वर्ष 1998-99 में इकाई कीमत स्थिर प्रतीत होगी तथापि कीमतों में डालर के रूप में गिरावट आई है क्योंकि रूप में लगभग 10% तक का मूल्य घास हुआ था ।

॥ पाटन करने वाले देशों से आयातों के मूल्य में हुई 16% की वृद्धि की तुलना में अन्य देशों से हुए संबंधित वस्तु के आयात मूल्य में 1976-77 के मुकाबले 1977-78 में 34% तक की गिरावट आई है। जहां तक वर्ष 1977-78 का संबंध है वर्ष 1978-79 में अन्य देशों से उक्त मूल्य में लगभग 40% तक की गिरावट आई है।

### 11॥ क्षति के बारे में

याचिकाकर्ताओं ने निम्नलिखित टिप्पणियों के आधार पर क्षति पहुंचने का दावा किया है:-

॥क॥ वर्ष 1978-79 में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 79.24% से घटकर 73.57% हो गया है।

॥ख॥ वर्ष 1976-77 की तुलना में घरेलू उद्योग की लाभ प्रदक्षी में अत्यधिक गिरावट आई है। 1977-78 में उक्त लाभ \*\*\*\*करोड़ रु० से घटकर \*\*\* करोड़ रु० हो गया है। सितम्बर 78 को समाप्त छः महीनों में लाभ प्रदक्षी \*\*\*\* करोड़ रु० की थी।

॥ग॥ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि होने के बावजूद उद्योग को अपनी बिक्री कीमत में कमी लाने के लिए बाध्य किया गया है। यह कीमत संकट और कीमत में गिरावट का पर्याप्त साक्ष्य है।

॥घ॥ वर्ष 1976-77 से याचिकाकर्ता की कंपनियों की बिक्री मात्रा में लगातार गिरावट आ रही है। बिक्री की मात्रा वर्ष 1976-77 में \*\*\* मीट्रिक टन से घटकर वर्ष 1977-78 में \*\*\* मीट्रिक टन हो गई। वर्ष 1978-79 में बिक्री की मात्रा वार्षिक आधार पर \*\*\* मीट्रिक टन थी। इस प्रकार, वर्ष 1976-77 की तुलना में वर्ष 1978-79 में बिक्री की मात्रा में 11% तक की गिरावट आई थी।

§ 5. वर्ष 1976-77 में याचिकाकर्ता कंपनियों का क्षमता उपयोग 89.44% था जो वर्ष 1977-78 में घटकर 80% हो गया। वर्ष 1978-79 के दौरान वार्षिक आधार पर क्षमता उपयोग 81.66% था। इस प्रकार, वर्ष 1976-77 की तुलना में वर्ष 1978-79 में क्षमता उपयोग में लगभग 8% की गिरावट आई।

### निर्यातकों आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. आयातकों और निर्यातकों ने पाटन रोधी जांच के संबंध में निम्नलिखित तर्कों को प्रस्तुत किया है

§ 6. पाटनरोधी नियमों के तहत, उक्त आवेदन स्वीकार्य नहीं है क्योंकि अलग-अलग घरेलू उत्पादकों द्वारा एसोसिएशन आफ सिथेटिक फाइबर उद्योग को प्राधिकार दिए जाने का सुझाव करते हुए कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है।

§ 7. संबंधित वस्तु के पांच उत्पादकों में से कम से कम दो उत्पादकों अर्थात् मैसर्स एस आर एफ लि० तथा मैसर्स बडौदा रेयान लि० को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए जैसा कि पाटन रोधी नियमावली के नियम 2(ख) में परिभाषित है। मैसर्स एस आर एफ लि० घरेलू उद्योग का एक अंग नहीं बन सकती क्योंकि यह मैसर्स एस आर एफ ओवरसीज लि० से संबंधित है, जो कि एस एफ आर लि० की सहायक कंपनी है। मैसर्स एस आर एफ ओवरसीज लि० का दुबई में अपना कार्यालय है तथा यह अन्य टायर विनिर्माताओं के साथ-साथ अपनी मूल कंपनी मैसर्स एस आर एफ लि० को संबंधित वस्तु का निर्यात करती आ रही है। मैसर्स एस आर एफ का भारत में घरेलू वस्तुओं के कुल उत्पादन का 45.35% हिस्सा बनता है।

जांच में शामिल दूसरे याचिकाकर्ता मै. बडौदा रेयान कार्पोरेशन, मै. थाई बडौदा इंडस्ट्रीज लि० (टी बी आइ एल) थाईलैंड से संबंधित है। थाई बडौदा इंडस्ट्रीज लि०

संबद्ध वस्तु की ज्ञात निर्यातक है और वर्तमान जांच का एक पक्ष है। यह तथ्य कि बड़ौदा रेयान कार्पोरेशन लि० टी बी आइ एल से संबंधित है, इस तथ्य से प्रमाणित होता है कि टी बी आइ एल की 25 प्रतिशत शेयर धारिता सीधे ही मै. बड़ौदा रेयान कार्पोरेशन के पास है और उसका संबंध वस्तु के उत्पादन में 7.8% हिस्सा बनता है।

इस प्रकार मै. एस आर एफ लि० और बड़ौदा रेयान कार्पोरेशन को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखने का परिणाम उन घरेलू उत्पादकों को हटाना होगा, जिनका एक साथ मिलकर संबंध वस्तु के भारतीय घरेलू उत्पादन का 50% से अधिक हिस्सा बनता है।  
अतः शेष उत्पादक, जिनका संबंध वस्तु का एक साथ मिलकर भारतीय घरेलू उत्पादन <sup>50% से कम</sup> हिस्सा बनता है, नियम 2(ख) के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के वे घरेलू उत्पादक नहीं बन सकते जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है।

इस प्रकार याचिका घरेलू उद्योग की ओर से दायर की गई है जैसी कि नियमों के अंतर्गत अपेक्षा की गई है।

॥ग॥ संबंध वस्तु का पाटन नहीं हुआ है।

॥ट॥ याचिकाकर्ता द्वारा संबंध देशों से हुए पीटत आयातों से हुई कीमत वास्तविक क्षति को सिद्ध करने के लिए कोई वास्तविक आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। आंकड़े वास्तविक परिकलन पर दिए जाने की जरूरत होती है न कि कुछ आधार भूत परिकलन के संदर्भ में प्रतिशतता के आधार पर।

॥झ॥ भारत में आयात की मात्रा उत्पादन की तुलना में बहुत कम है। इस प्रकार आयात की इतनी कम मात्रा को घरेलू उद्योग के लिए क्षतिकारी नहीं कही जा सकता घरेलू मांग और उत्पादन में कमी अनिवार्यतः आयात द्वारा पूरा करना होता है।

॥ड॥ दायर उद्योग द्वारा अपेक्षित कीमतपथ डेनिमर्स की घरेलू उद्योग आपूर्ति नहीं कर रहा है।

॥ढ॥ जांच की समय अवधि में आयात की मात्रा में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है। इस प्रकार घरेलू उद्योग के हुई क्षति का कोई प्रमाण नहीं है।

॥ण॥ मे. आटोमोटिव टायर मेन्युफैक्चरर्स एसोसियेशन ॥आटमा॥ ने यह तर्क दिया है कि संबंध वस्तु से घरेलू उद्योग लाभों में घृष्ट हुई है । मे. एस आर एफ लि० जो संबंध वस्तु का बड़ा उत्पादक है, ने लगाई गई पूंजी पर अच्छा मुनाफा कमाया है । अन्य कंपनियों के लाभों में भी बढ़ोत्तरी हुई है । कुछ कंपनियां जिनका निष्पादन अच्छा नहीं है, दूसरे उत्पादों में घाटा उठा रही हो सकती हैं । इस दृष्टि से घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है और कारणात्मक संबंध का प्रश्न ही नहीं उठता है ।

॥श॥ पाटन और वास्तविक क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को प्रमाणित नहीं किया गया है ।

उठाए गए मुद्दों की जांच:- निर्यातकों, आयातकों याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है और नियमों के संदर्भ में उठाए गए मुद्दों और जो इस मामले पर प्रभाव डालते हैं, पर विचार किया गया है और उन पर इस अधिसूचना में समुचित स्थान पर कार्रवाई की गई है ।

#### घ. विवाराधीन उत्पाद

4. वर्तमान जांच में विवाराधीन उत्पाद इंडोनेशिया, थाइलैंड, दक्षिण कोरिया और ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नाइलोन टायर कोई फैब्रिक है । एन टी सी एफ को अलग अलग प्रकार के टायरों में प्रयोग होता है जैसे एस और ट्रक टायर, दुपहिया वाहन टायर, हल्के व्यापारिक वाहनों, पशु चालित वाहनों आदि के टायर । एन टी सी एफ को गैर टायर उद्योग में भी प्रयोग में लाया जाता है । एन टी सी एफ के अनेक डेनियर्स हैं । यह सी शु.टैरिफ अधिनियम के सी.शु. उपशीर्ष 5902.10.00 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

#### ङ. समान वस्तुएं

5. याचिकाकर्ता ने वादा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एवं बिक्रीत एन टी सी एफ और संबंध देशों से आयातित एन टी सी एफ का भारत के ग्राहकों द्वारा एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा रहा है । विश्व भर में इस उत्पाद के विनिर्माण की प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, संयोजकों एवं सामग्री की हैडलिंग में स्थापन इत्यादि जैसी छोटी मोटी भिन्नताओं को छोड़कर मशीनरी, आदि के संदर्भ में एक समान हैं । एन टी सी एफ का उत्पादन एवं उसकी बिक्री अनेक प्रकार के डेनियर्स में की जाती है । किसी



भी हितबद्ध पक्ष ने याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों का विरोध नहीं किया है।

इसे देखते हुए, प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एन टी सी एफ और संबद्ध देशों से आयातित एन टी सी एफ का इस्तेमाल एक दूसरे के स्थान पर किया जा सकता है। और इस प्रकार ये वाणिज्यिक व तकनीकी तौर पर प्रतिस्थापनीय है और इसीलिए ये नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं।

### ॥एफ॥ घरेलू उद्योग

6. पाटन रोधी जांच के लिए वर्तमान याचिका सिन्थेटिक फाइबर इंडस्ट्री एसोसियेशन ॥ए स्स एफ आइ॥ द्वारा घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै. स्स आर एफ लि०, मै. निरलोन् लि०, मै. सेन्चुरी रंका लि० और मै. एन आर सी लि० की ओर से दायर की गई है।

इस याचिका का दूसरे घरेलू उत्पादक मै. बड़ौदा रेयॉन लि० द्वारा समर्थन दिया गया है। याचिकाकर्ताओं द्वारा यह दावा दिया गया है कि चार याचिकाकर्ता कंपनियां और समर्थन करने वाली दूसरी कंपनी मै. बड़ौदा रेयॉन लि० ही भारत में एक मात्र एन टी सी एफ का उत्पादक हैं और इसलिए याचिका को भारत में एन टी सी एफ के सभी घरेलू विनिर्माताओं का समर्थन प्राप्त है और यह नियमों के तहत यथापेक्षित जरूरी हैसियत की अपेक्षा को पूरी करती है निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा यह तर्क दिया गया कि जांच अघात के दौरान मै. स्स आर एफ लि० ने संबंधित कंपनी मै. स्स आर एफ ओवरसीज लि० के जरिए संबंधित वस्तु का आयात किया है आयातकों से संबंधित होने के कारण वे पाटनरोधी जांच से संबंधित याचिका दायर नहीं कर सकते। इसी तरह, मै. बड़ौदारेयॉन लि० एक निर्यातक कंपनी मै. थाइ बड़ौदा रेयॉन लि० से संबंधित है जो जांच में शामिल एक निर्यातक है इस लिए ये दोनों कंपनियां पाटन रोधी जांच में याचिकाकर्ता नहीं हो सकती। इन दोनों कंपनियों का भारत में एन टी सी एफ के घरेलू उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा बनता है और इसलिए उक्त याचिका को नियम के तहत यथापेक्षित घरेलू उद्योग से अपेक्षित समर्थन हासिल नहीं है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा याचिकाकर्ता की हैसियत से संबंधित मुद्दे की जांच की गई है। इस संबंध में पाटन रोधी नियमावली के नियम 2४ख और नियम 5४3४ ४क संगत है और उनमें निम्नांकित व्यवस्था है।

"2॥ख॥: "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य समग्र रूप में ऐसे घरेलू उत्पादकों से है, जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्य क्लाप में लगे हुए हैं अथवा ऐसे घरेलू उत्पादकों से है, जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन के एक बड़े अनुपात में होता है, लेकिन जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित हों अथवा वे उसके स्वयं आयातक हों, तो ऐसे मामले में ये उत्पादकों को घरेलू उद्योग के एक अंग के रूप में नहीं समझा जा सकता।"

"5॥उ॥॥ख॥: यह समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों द्वारा आवेदन के संबंध में व्यक्त किए गए समर्थन अथवा उसके विरोध की स्थिति की जांच के आधार पर इस बात का निर्धारण करता है कि उक्त आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किया गया है।

किन्तु उस स्थिति में कोई जांच शुरू नहीं की जाएगी आवेदन का स्पष्ट तौर पर समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन पच्चीस प्रतिशत कम हिस्सा बनता हो।"

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान मै. स्स आर एफ लि० ने मै. स्स आर एफ ओवर्सीज लि० दुबई से \*\*\* अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. के औसत मूल्य पर मी.टन एन टी सी एफ का आयात किया। मै. स्स आर एफ लि० द्वारा किए गए आयात

जांच अवधि के दौरान संबंध देशों से किए गए कुल आयातों के 0.24% बैठते थे इसके अतिरिक्त मै. स्स आर एफ लि० द्वारा किया गया आयात जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के एन टी सी एफ के कुल उत्पादन का 0.08% बैठता था जांच अवधि के दौरान मै. स्स आर एफ द्वारा उसकी संबंधित कंपनी मै. स्स आर एफ ओवर्सीज लि० से किए गए किसी अन्य आयात का कोई साक्ष्य नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै० स्स आर एफ लि० द्वारा उसकी संबंधित कंपनी मै. स्स आर एफ ओवर्सीज लि० दुबई से किए गए आयातों की मात्रा काफी कम थी और इसलिए मै. स्स आर एफ लि० को घरेलू उद्योग के दायरे में बाहर रखना औचित्यपूर्ण नहीं होगा।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. बड़ौदा रेयान लि० मै. धाड़ बड़ौदा इंडस्ट्रीज लि० से संबंधित कंपनी है जो स्वयं संबंध वस्तु की निर्यातक है और जिसकी इस मामले में जांच की जा रही है। तथापि वर्तमान याचिका घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले चार उत्पादकों द्वारा दायर की गई है। मै. बड़ौदा रेयान लि० ने घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य उत्पादकों द्वारा दायर की गई याचिका का केवल समर्थन किया है और इस तरह बड़ौदा रेयान लि० वर्तमान याचिका में एक सक्रिय आवेदक नहीं है।

जहाँ तक मै. बहौदा रेयान लि० को बाहर रखने का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तु के अन्य चार विनिर्माताओं की घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने की अपेक्षा हैसियत है ।

## ६. पाटन

### सामान्य मूल्य

7. धारा १॥क॥१॥ग॥ के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:
- ॥१॥ समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य रूप में तुलनीय मूल्य जब वह वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में छपत के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा ॥६॥ के अंतर्गत बनाए नियमों के अनुसार किया गया हो, या
- ॥१॥ जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यात देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सके, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा;
- ॥क॥ समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी अन्य देश से किया जाय जिसका निर्धारण उप धारा ॥६॥ के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाय; या
- ॥ख॥ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु उत्पादन लागत; जिसमें प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उप धारा ॥६॥ के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाय;

किन्तु यदि वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहाँ वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल यानान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।

ज० निर्यातकों द्वारा किए गए दावे

8० सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य तथा डम्पिंग मार्जिन के संबंध में निर्यातकों द्वारा दिए गए तर्कों पर निम्न प्रकार से विचार विमर्श किया गया है।

§ 118 मे० पीटीजीटी पैट्रोकेम, इंडोनेशियासामान्य मूल्य:

निर्यातक ने यह दावा किया है कि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की कोई बिक्री नहीं है। इसके अलावा, भारत को छोड़ कर किसी देश में संबद्ध वस्तुओं की निर्यात बिक्री नहीं है। इस बात को ध्यान में रखते हुए निर्यातक ने संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य का दावा अपनी उत्पादन-लागत के आधार पर किया है जिसमें प्रशासन, बिक्री एवं सामान्य लागत तथा लाभों की एक उचित राशि जोड़ी गई है। उक्त सूचना जनवरी १९७४ की अवधि से संबंधित है।

निर्यात मूल्य

निर्यातक ने जाँच की अवधि के दौरान भारत को की गई निर्यात-बिक्रियों का बीजक बार ब्यौरा प्रस्तुत किया है। इस अवधि के दौरान निर्यातक ने \*\*\* मिलियन अमरीकी डालर के कुल सीआईएफ मूल्य पर एनटीसीएफ के विभिन्न ग्रेडों की \*\*\* मी. टन की आपूर्ति की। एनटीसीएफ के विभिन्न ग्रेडों के लिए \*\*\* अमरीकी डालर प्रति कि. ग्रा. के औसत सीआईएफ मूल्य का दावा किया गया है। निर्यात बिक्री की कारखाना-द्वार पर लागत प्राप्त करने के लिए कम्पनी ने विदेशी माल-भाड़ा, बीमा, कमीशन, अन्तराज्यीय माल भाड़ा, पोतलदान शुल्क तथा प्रबंधन खर्च का दावा किया है।

§ 118 मे० ह्योसंग टोंग यांग दक्षिण कोरिया:सामान्य मूल्य:

कम्पनी ने यह दावा किया है कि जाँच की अवधि के दौरान उसने भारत को विभिन्न डेनियर्स के एनटीसीएफ की बिक्री की है। तथापि, यह दावा किया गया है कि संबद्ध वस्तुओं की बिक्री घरेलू बाजार में नहीं की गई। तथापि, निर्यातक ने भारत को दिए गए एनटीसीएफ के विभिन्न ग्रेडों के निर्यात के लिए उत्पादन

लागत संबंधी ब्यौरा प्रस्तुत किया है।

### निर्यात मूल्य

मै0 ह्योसांग ने भारत को की गई निर्यात बिक्री का डेनियर-बार ब्यौरा प्रस्तुत किया। एक ओर निर्यात मूल्य प्राप्त करने के लिए विदेशी मालभाड़ा, विदेशी बीमा तथा अन्य खर्च के संबंध में कटौतियों का दावा किया गया है। इसके अतिरिक्त कारखाना-द्वार पर निर्यात मूल्य निकालने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय माल-भाड़ा, हैंडलिंग तथा अन्य खर्चों, के संबंध में कटौतियों का दावा किया गया है। तदनुसार, निर्यातक ने एनटीसीएफ के विभिन्न डेनियर्स के संबंध में विभिन्न कारखाना-द्वार पर विभिन्न निर्यात मूल्यों का दावा किया है।

तदनुसार निर्यातकों ने यह दावा किया है कि भारत को संबद्ध वस्तुओं के किए जा रहे निर्यात की कोई डम्पिंग नहीं की जा रही है।

### § 10. थाई बड़ोदा लि0, थाईलैंड

कम्पनी ने यह दावा किया कि जांच की अवधि के दौरान उसने भारत को विभिन्न डेनियर्स के एनटीसीएफ का निर्यात किया है। तथापि, जांच की अवधि के दौरान इसने घरेलू बाजार में अथवा किसी अन्य तीसरे देश को एनटीसीएफ के निर्दिष्ट ग्रेडों में से किसी ग्रेड की बिक्री नहीं की है। इसलिए घरेलू बिक्री अथवा तीसरे देश को की गई बिक्री के संबंध में कोई ब्यौरा नहीं दिया गया है। तथापि, कम्पनी ने भारत को की गई संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के संबंध में लागत-मूल्य संरचना प्रस्तुत की है। इसने भारत को किए गए एनटीसीएफ के विभिन्न डेनियर्स के निर्यात के संबंध में\*\*\*\* से \*\*\*\* प्रति किग्रा थाई भट की उत्पादन लागत का दावा किया है।

### निर्यात मूल्य

कम्पनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को की गई निर्यात बिक्री का अंक्ति-मूल्य-बार ब्यौरा प्रस्तुत किया है। कम्पनी\*\*\*\* अमरीकी डालर के एक औसत सीआईएफ मूल्य पर भारत को एनटीसीएफ के विभिन्न ग्रेडों के \*\*\*\*मी0 टन

की बिक्री की है। कारखाना द्वार पर की गई बिक्री के बाद निवासी तथा हैंडलिंग के संबंध में कम्पनी ने कटौती का दावा किया है और तदनुसार, निर्यात बिक्री की फैक्ट्री लागत का दावा किया गया है।

## 9. ताईवान

### सामान्य मूल्य

मे० फोरमोसा टेफेटा बं० लि० ने अपने जवाब में यह कहा है कि जाँच की अवधि के दौरान इसने भारत को विभिन्न ग्रेडों के ग्रे एनटीसीएफ को निर्यात किया। तथापि, एनटीसीएफ के इन ग्रेडों की बिक्री घरेलू बाजार में या तीसरे देशों के निर्यात बाजार में नहीं की गई। तथापि, कम्पनी ने विभिन्न ग्रेडों के एनटीसीएफ के उत्पादन का लागत-मूल्य प्रस्तुत किया है।

### निर्यात मूल्य

निर्यातक ने जाँच की अवधि के दौरान भारत को किए गए एनटीसीएफ के निर्यात का डेनियर-वार ब्याँरा प्रस्तुत किया है। निर्यातकों ने सभी बिक्रियों पर 4% की दर से कमीशन का दावा किया है। इसके अतिरिक्त, निर्यात बिक्री की कारखाना द्वार पर लागत प्राप्त करने के लिए पैकिंग, अन्तर्राष्ट्रीय माल भाड़ा, विदेशी माल भाड़ा, विदेशी बीमा तथा निवासी एवं हैंडलिंग पर किए गए खर्चों का दावा किया गया है।

तदनुसार, मे० फोरमोसा टेफेटा बं० लि० ने दावा किया है कि भारत को संबंध वस्तुओं को निर्यात उचित मूल्य पर किया गया है।

## 10. निर्यातकों के दावों की प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत को निर्यात होने वाला एनटीसीएफ एक ग्रे फैब्रिक है। दूसरी तरफ निर्यातक तीसरे देशों की निर्यात बिक्री में तथा घरेलू बाजार में डिप्ड फैब्रिक की बिक्री करते हैं। डिप्ड फैब्रिक, ग्रे फैब्रिक से भिन्न है जिसमें ग्रे फैब्रिक की स्टेज से और आगे प्रसंस्करण की आवश्यकता होती है।

इसलिए, जबकि ग्रे फैब्रिक की स्टेज तक सभी विनिर्माण लागत समान है, डिप्ड फैब्रिक के विनिर्माण के लिए ग्रे फैब्रिक को और आगे रासायनिक उपचार तथा

प्रसंस्करण किया जाता है। चूँकि ग्रे फैब्रिक को न तो घरेलू बाजार में बेचा गया और न ही तीसरे देशों के निर्यात बाजार में तथा घरेलू बिक्री मूल्य या तीसरे देशों के निर्यात मूल्य उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य पर विचार करने के लिए नियमों के अन्तर्गत यथा अपेक्षित ग्रे फैब्रिक के लिए प्रत्येक निर्यातक की उत्पादन-लागत में प्रशासनिक व्यय बिक्री व्यय और लाभ मार्जिन के लिए समुचित वृद्धि की इजाजत दी है। इस प्रयोजन से निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई लागत आंकड़ों की जांच की गई और संबद्ध देशों से प्रत्येक निर्यातक के मामले में सामान्य मूल्यों का आकलन किया गया है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का आकलन औसत आधार पर किया है और प्राधिकारी ने अलग-अलग ग्रेडों/डेनियरों के लिए अलग से आकलन के बारे में कोई विचार नहीं किया है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन सीमा के मामले में प्रत्येक निर्यातक के दावे की जांच की है और इस पर निम्नानुसार विचार किया गया है।

#### 11. मै० पीटीजीटी पेट्रोकेम इंडोनेशिया

##### सामान्य मूल्य

मै० पीटीजीटी पेट्रोकेम ने इंडोनेशिया में ग्रे फैब्रिक और डिप्ड फैब्रिक की उत्पादन-लागत के ह्यारे प्रस्तुत किए हैं। वर्ष 19838 के दौरान कम्पनी ने \*\*\*\*\* मी० टन एनटीसीएफ का उत्पादन किया जिसमें \*\*\*\*\* मी० टन डिप्ड फैब्रिक शामिल था, जिसका भारत को निर्यात किया गया था। कम्पनी की सकल विनिर्माण लागत दलाई लागत को छोड़ कर \*\*\*\*\* मिलियन अमरीकी डालर थी। इसके अलावा मै० पीटीजीटी इंडोनेशिया ने बिक्री और वितरण व्यय, सामान्य प्रशासनिक व्यय और वित्तीय प्रभावों का वहन किया था। इस प्रकार मै० पीटीजीटी इंडोनेशिया के मामले में ग्रे फैब्रिक की वास्तविक उत्पादन लागत \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा० है। एक समुचित लाभ सीमा पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने मै० पीटीजीटी इंडोनेशिया के मामले में सामान्य मूल्य \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा० स्वीकार किया है। कम्पनी ने पैकिंग प्रभावों पर व्यय बिक्री पर रियायत तथा अन्तर्राज्यीय मालभाडे

के रूप में भी खर्च किया है जिसके लिए प्राधिकारी ने इजाजत दे दी है। समायोजन के बाद प्राधिकारी ने मै० पीटीजीटी इंडोनेशिया के मामले में कारखाना द्वार पर धरेलु मूल्य \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा० निर्धारित किया है।

### निर्यात मूल्य

मै० पीटीजीटी इंडोनेशिया ने जांच अवधि के दौरान भारत को \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा० के औसत सीआईएफ मूल्य पर \*\*\*\*\* मी० टन ग्रे फेब्रिक का निर्यात किया। कम्पनी ने निर्यात बिक्री के संबंध में विदेशी माल भाड़ा, बीमा पैकिंग लागत और कमीशन तथा अन्तर्राष्ट्रीय भाड़ा पर व्यय किया जिसे प्राधिकारी ने स्वीकृत किया है। तदनुसार मै० पीटीजीटी इंडोनेशिया के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कारखाना द्वार पर निर्यात मूल्य \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा० माना है।

उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने जो मै० पीटीजीटी इंडोनेशिया के संबंध में पाटन सीमा का आकलन किया वह \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा० या 9.26% है।

## 12. दक्षिण कोरिया

### सामान्य मूल्य

मै० ह्योसांग & टोंगयांग, कोरिया द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच की। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै० ह्योसांग कारपोरेशन एक बहु उत्पाद एवक है जिसकी विभिन्न उत्पादों के उत्पादन के लिए विभिन्न शाखाएँ हैं। जांच के दौरान प्राधिकारी ने मै० ह्योसांग से उत्पादन लागत, विभिन्न विभागों के बिक्री और उत्पादन के ब्याँरे, व्यय के आबंटन के आधार, प्रमुख कच्चे मालों की कीमतों के ब्याँरे और उन औद्योगिक सामग्री प्रभागों के निवेश के ब्याँरे जो संदर्भाधीन उत्पादों का उत्पादन करते हैं के संबंध में अतिरिक्त सूचना मांगी थी। लेकिन मै० ह्योसांग ने अपेक्षित ब्याँरे नहीं दिए। निर्यातक से वांछित सूचना के अभाव मै० ह्योसांग द्वारा उपलब्ध काराई गई उत्पादन-लागत की सूचना की जांच नहीं की जा सकी। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने मै० ह्योसांग



द्वारा उपलब्ध कराई गई उत्पादन लागत संबंधी जानकारी की अनदेखी की और सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण की कार्यवाही की। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच के समय दक्षिण कोरिया के मामले में जिस समानान्तर मूल्य पर विचार किया या वह दक्षिण कोरिया के एनटीसीएफ की परिकलित उत्पादन-लागत पर आधारित था। दक्षिण कोरिया के निर्यातकों के असहयोग को देखते हुए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने उचित समायोजन के बाद परिकलित उत्पादन लागत को आधार माना है। तदनुसार, प्राधिकारी ने मै0 ह्योसांग के संबंध में परिकलित उत्पादन लागत \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा0 स्वीकार की गई है।

### निर्यात मूल्य

निर्यातक मै0 ह्योसांग ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यात का बीजक-बार ब्योरा प्रस्तुत किया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 ह्योसांग ने \*\*\*\*\* मी0 टन ग्रे एनटीसीएफ का निर्यात \*\*\*\*\* मि0 अमरीकी डालर के सीआईएफ मूल्य पर किया था। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि कुछ बीजकों में विभिन्न अवधि के लिए निर्यातकों की शाख बिक्री पर ब्याज शामिल है। ब्याज की राशि \*\*\*\*\* अमरीकी डालर थी। इसे प्राधिकारी ने सीआईएफ मूल्य से घटा दिया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने निर्यात का औसत सीआईएफ मूल्य \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा0, स्वीकार किया है। इसके अलावा मै0 ह्योसांग के कारखाना-द्वार पर निर्यात मूल्य से पहले विदेशी माल भाड़ा, बीमा, कमीशन, अन्तर्राष्ट्रीय माल-भाड़ा पर व्यय किया है। उक्त व्यय वास्तविक आधार पर होने के कारण प्राधिकारी ने इसे स्वीकार किया है। इस प्रकार प्राधिकारी ने मै0 ह्योसांग के संबंध में कारखाना-द्वार पर निर्यात मूल्य \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा0, माना है।

इसलिए प्राधिकारी ने पाटन सीमा \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा0 या 8.70% आंकी है।

### 14. मै0 थाई बड़ौदा लि0, थाईलैंड

#### सामान्य मूल्य

मै0 थाई बड़ौदा ने ग्रे फेब्रिक के उत्पादन लागत का ब्योरा प्रस्तुत किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच दौरे के समय निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई

गई मे फ्रेब्रिक की उत्पादन लागत को जांचा था । प्राधिकारी ने यह नोट किया कि मे फ्रेब्रिक का निर्यात भारत में इसकी उत्पादन लागत से व्यय कीमत पर किया जा रहा है । मैसर्स थाई बडौदा लि० के संबंध में मे फ्रेब्रिक की उत्पादन लागत पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार सामान्य मूल्य के आधार पर किया गया है । मैसर्स थाई बडौदा लि० ने जांच अवधि के दौरान \*\*\*\* मि० यूएस डालर की कुल लागत पर \*\*\*\* मी०टन मे फ्रेब्रिक का उत्पादन किया । इस प्रकार मैसर्स थाई बडौदा लि० के संबंध में मे फ्रेब्रिक को औसत उत्पादन लागत यूएस डालर \*\*\*\* प्रति किग्रा० आंकी गई । उचित लाभ मार्जिन पर विचार करने के पश्चात् मैसर्स थाई बडौदा लि० के मामले में मे फ्रेब्रिक का सामान्य मूल्य यूएस डालर \*\*\*\* प्रति किग्रा० आंका गया ।

#### निर्माण कीमत

कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए मे फ्रेब्रिक के निर्यातों के बीजकवार ब्यौरे प्रस्तुत किए । कंपनी ने भारत को कुल \*\*\*\* मि० भाट्स यूएस डालर \*\*\*\* मिलियन के बराबर कुल सीआईएफ कीमत की \*\*\*\* मी०टन मे फ्रेब्रिक का निर्यात किया । जांच अवधि के दौरान भारत को की गई निर्यात-बिक्री की औसत सीआईएफ कीमत यूएस डालर \*\*\*\* थी । कंपनी ने समुद्री भाड़े तथा समुद्री बीमें पर व्यय किया । समुद्री भाड़े के व्यय में ट्रेकिंग प्रभाग, सीमाशुल्क सेवाएं, पत्तन प्रभाग तथा अन्य व्यय शामिल है । व्यय की इन रकमों के लिए प्राधिकारी ने दावे के अनुसार अनुमत दी है । इसलिए, प्राधिकारी द्वारा मैसर्स थाई बडौदा के मामले में कारखाना द्वारा पर निर्माण कीमत यूएस डालर \*\*\*\* प्रति किग्रा० आंकी गई ।

इस प्रकार मैसर्स थाई बडौदा लि० के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा डिमिंग मार्जिन का आकलन यूएस डालर \*\*\*\* प्रति किग्रा० अर्थात् 67.33% किया गया ।

#### 14. ताइवान

##### सामान्य मूल्य

मैसर्स फोरमोसा टफेटा कं० लि० द्वारा उपलब्ध कराए गए लागत आंकड़ों की निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच की गई । कंपनी ने \*\*\*\* मी०टन विभिन्न डेनियर

के ग्रे फेब्रिक का यूएस डालर \*\*\*\*\* प्रति किग्रा० की औसत उत्पादन-लागत पर उत्पादन किया । एक उचित लाभ मार्जिन की अनुमति देने के पश्चात् प्राधिकारी ने यूएस डालर \*\*\*\*\* प्रति किग्रा० सामान्य मूल्य माना । पैकेजिंग लागत निकासी तथा हैंडलिंग लागत को घटाने के पश्चात् प्राधिकारी ने मैसर्स फोरमोसा टफेटा कं० लि० के मामले में सामान्य मूल्य यूएसए डालर \*\*\*\*\* प्रति किग्रा० माना ।

### निर्यात कीमत

मैसर्स फोरमोसा टफेटा कं० लि० ने भारत को यूएस डालर \*\*\*\*\* प्राप्त किग्रा० की औसत सीआईएफ कीमत पर \*\*\*\*\* मी० टन ग्रे एनटीसीएफ का निर्यात किया । प्राधिकारी ने कमीशन, समुद्री मालभाड़े, समुद्री बीमें, क्लीयरिंग तथा हैंडलिंग, पैकिंग तथा अन्तर्देशीय मालभाड़े के कारण वास्तविक व्यय की अनुमति दी । तदनुसार, भारत को की गई निर्यात बिक्री के लिए प्राधिकारी द्वारा कारखाना-द्वार कीमत यूएस डालर \*\*\*\*\* प्रति किग्रा० मानी गई । इस प्रकार मैसर्स फोरमोसा टफेटा कं० लि० के मामले में डम्पिंग मार्जिन यूएस डालर \*\*\*\*\* अथवा 8.91% निर्धारित किया गया है ।

### गैरसहकारी निर्यातकों के मामले में डम्पिंग मार्जिन:-

प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए व्यौरों के अनुसार निर्यातकों को पत्र लिखे । केवल उन्हीं निर्यातकों से प्रतिक्रिया प्राप्त हुई जिन्हें प्राधिकारी ने पत्र भेजे थे । प्राधिकारी ने नोट किया है कि किसी अन्य निर्यातक की ओर से कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई है जो हो सकता है कि अधिक डम्पिंग मार्जिन पर सम्बद्ध वस्तुओं का पाटन कर रहे हों । इसलिए, गैर-सहकारी निर्यातकों के संबंध में, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के दावे के अनुसार सामान्य कीमत निर्धारित की है । तथापि गैर-सहकारी निर्यातकों के मामले में प्राधिकारी ने निर्यात कीमत सहकारी निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर मानी है ।

तदनुसार, प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के अलग-अलग निर्यातकों के मामले में डम्पिंग मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया है ।

मूल्य ग्रुपस डालर में

क्रम सं०	देश/निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्धारित कीमत	डम्पिंग मार्जिन	डम्पिंग
1.	<u>इंडोनेशिया</u>				
	मे० पीटीजीटी	*****	*****	*****	9.26
	अन्य निर्यातक				66.14
2.	<u>दक्षिण कोरिया</u>				
	मे० ह्योसांग	*****	*****	*****	8.70
	अन्य निर्यातक				38.64
3.	<u>थाईलैंड</u>				
	मेसर्स थाई बडोदा	*****	*****	*****	67.33
	लि०				
	अन्य निर्यातक				121.88
4.	<u>ताइवान</u>				
	मेसर्स फोरमोसा				
	टफेटा कं० लि०	*****	*****	*****	8.97
	अन्य निर्यातक				79.89

1. क्षति

15. उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-11 के अंतर्गत जब क्षति के बारे में निष्कर्ष निकाल लिया जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में "-----पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव, ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभावों समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए" घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। मूल्यों

पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जाँच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट रही है अथवा क्या ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों में काफी हद तक कमी करना है। अथवा मूल्य वृद्धि को रोकना है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हुई होती।

16. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जाँच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध-11 § 11V के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभदत्ता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन जैसे संकेतकों पर विचार किया जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं।

17. घरेलू उद्योग की क्षति को दर्शाने वाले अनेक मापदण्ड नीचे दिए गए हैं:-

#### § 118 बाजार हिस्सा तथा आयातों की मात्रा:

वर्ष 1996-97 में एनटीसीएफ के आयातों की मात्रा 9652 मी० टन थी जिसमें सम्बद्ध देशों का हिस्सा कुल निर्यातों का 80% था। तथापि, वर्ष 1997-98 के दौरान आयातों की मात्रा बढ़कर 10210 मी० टन हो गई, जिसमें सम्बद्ध देशों का हिस्सा बढ़कर कुल निर्यातों का लगभग 88% हो गया। वर्ष 1997-98 में सम्बद्ध देशों से आयातों की मात्रा में वृद्धि 1996-97 के मुकाबले 16% हुई। जाँच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा 9116.2 मी० टन थी जबकि सम्बद्ध देशों का हिस्सा 88.3% था। सम्बद्ध देशों से आयातों की मात्रा में वर्ष 1997-98 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान वार्षिक आधार पर 35% वृद्धि हुई।

इसके अलावा, प्राधिकारी द्वारा यह पाया गया कि घरेलू उद्योग के बाजार-हिस्से में एक क्रमिक गिरावट आई है। वर्ष 1996-97 के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 79% था, जो 1997-98 में गिरकर 76.3% रह गया और इसके बाद जाँच अवधि के दौरान गिरकर 73.2% रह गया।

#### § 119 लाभदत्ता:

विचाराधीन उत्पाद से याचिकाकर्त्ता कंपनियों की लाभदत्ता वर्ष 1996-97 के दौरान \*\*\*\* करोड़ रुपए थी। लेकिन वर्ष 1997-98 के दौरान लाभदत्ता \*\*\*\* करोड़ रुपए तक गिरी। जाँच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद से याचिकाकर्त्ता

कंपनियों के लाभ \*\*\*\* लाख रुपए के थे । इस प्रकार जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद से याचिकाकर्त्ता कंपनियों की लाभप्रदता में वार्षिक आधार पर 1997-98 की तुलना में 68.3% की गिरावट आई ।

### § 11(i) बिक्री की मात्रा:

याचिकाकर्त्ता कंपनियों ने वर्ष 1996-97 के दौरान \*\*\*\* मी० टन एनटीसीएफ की बिक्री की, जो वर्ष 1997-98 के दौरान गिरकर \*\*\*\* मी० टन हो गई, जो कि वर्ष 1996-97 की तुलना में 10.1% की गिरावट बनती है । तथापि जांच अवधि के दौरान बिक्री मात्रा में थोड़ी वृद्धि हुई थी । याचिकाकर्त्ता कंपनियों ने जांच अवधि के दौरान \*\*\*\* मी० टन एनटीसीएफ की बिक्री की जो वार्षिक आधार पर \*\*\*\* मी० टन हुई ।

### § 12 बिक्री :

वर्ष 1996-97 के दौरान घरेलू बाजार में याचिकाकर्त्ता कंपनियों की सम्बद्ध वस्तुओं की कुल बिक्री \*\*\*\* करोड़ रुपए थी जो 1997-98 के दौरान गिरकर \*\*\*\* करोड़ रुपए रह गई । यह पिछले वर्ष की तुलना में 11.8% की गिरावट प्रदर्शित करती है । जांच अवधि के दौरान एनटीसीएफ की कुल बिक्री \*\*\*\* करोड़ रुपए थी जो वार्षिक आधार पर \*\*\*\* करोड़ रुपए बनती है ।

### § 13 बिक्री वसूली:-

वर्ष 1996-97 के दौरान याचिकाकर्त्ता कंपनियों की एनटीसीएफ की बिक्री से औसत बिक्री वसूली \*\*\*\* रु० प्रति किग्रा थी और यह वर्ष 1997-98 के दौरान

गिरकर \*\*\*\* ३० किग्रा० रह गई । यह गिरावट 2४ बनती है जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्त्ता कंपनियों की औसत बिक्री वसूली \*\*\*\* ६० प्रति किग्रा० थी ।

### § 18.18 उत्पादन

वर्ष 1997-98 के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में याचिकाकर्त्ता कंपनियों के उत्पादन में महत्वपूर्ण गिरावट आई । याचिकाकर्त्ता कंपनियों का एनटीसीएफ का कुल उत्पादन वर्ष 1996-97 के दौरान \*\*\*\* मी० टन का था जो वर्ष 1997-98 के दौरान गिरकर \*\*\*\* मी० टन हो गया । यह 8.53 % की गिरावट बनती है । जांच अवधि के दौरान वास्तविक उत्पादन \*\*\*\* मी० टन था ।

### § 18.19 क्षमता उपयोग:

याचिकाकर्त्ता कंपनियों का क्षमता उपयोग 1995-96 के 93.82% से गिरकर 1996-97 में 86.92% रह गया और यह आगे 1997-98 में गिरकर 77.78% हो गया । तथापि जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग बढ़कर 83.41% हो गया ।

### § 18.20 अन्तिम स्टॉक

याचिकाकर्त्ता कंपनियों के पास क्लोजिंग स्टॉक भी 1996-97 से धीरे-धीरे बढ़ा है । 1995-96 में क्लोजिंग स्टॉक \*\*\*\* मी० टन का था और 1996-97 के दौरान बढ़कर \*\*\*\* मी० टन हो गया और आगे यह वर्ष 1997-98 के दौरान बढ़ कर \*\*\*\* मी० टन हो गया । याचिकाकर्त्ता कंपनियों के पास 31-12-1998 की स्थिति के अनुसार अन्तिम स्टॉक \*\*\*\* मी० टन था ।

### ११x११ लगाई गई पूँजी पर आय

प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षों के इस तर्क पर विचार किया गया है कि घरेलू उत्पादकों के लिए लगाई गई पूँजी पर आय एवं चालन मार्जिन में पर्याप्त वृद्धि हुई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जाच में एक याचिकाकर्ता में 0 एस. आर. एफ की लाभप्रदता में 1997-98 की तुलना में 1998-99 के दौरान अत्यधिक सुधार हुआ है। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कम्पनी की लाभप्रदता में सुधार मुख्यतः नई इक्टिविटी को शामिल करने, उधार को कुक्कुट करने और ब्याज लागत के तटनरूपी कम प्रभाव के माध्यम से वित्तीय पुनर्गठन के कारण हुआ है। जाच अर्द्ध के दौरान में 0 एस आर एफ लि० के मामले में इक्टिवियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज एवं करों में पूर्व प्रचालन लाभों में मामूली गिरावट आई है। इसके अलावा, में 0 एस आर एफ लि० एक बहुउत्पाद कम्पनी है और संबंध वस्तु की लिक्विड कम्पनी के कुल कारोबार का केवलxxxx बनती है। किसी पाटनरोधी जाच में विद्वाराधीन उत्पाद के परिचालन से प्राप्त लाभ किसी एक कम्पनी की समग्र लाभप्रदता की तुलना में अपेक्षागत अधिक संगत कारक होगा। संबंध वस्तु से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई है।

### ११११ कारणात्मक संबंध

18. उपरोक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जाच अर्द्ध के दौरान संबंध देशों से आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। कुल आयातों में संबंध देशों के बाजार हिस्से में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है। दूसरी ओर घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पिछले कुछ समय से अत्यधिक गिरावट आ रही है। भारत में संबंध वस्तु का आयात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है। इसके कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी आई है।



घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा, औसत बिक्री प्राप्ति, उत्पादन, क्षमता उपयोग भी पिछले कुछ समय से गिरावट की प्रवृत्ति को प्रदर्शित कर रहे हैं। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण क्षति पहुँची है।

### ४ट० भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मामले

19. आमतौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है, जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहा है तथा भारतीय बाजार में मुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः बहाल करना है, जो देश के सामान्य हित में हो।

यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तु के हस्तेमाल से विनिर्मित उत्पादों के मूल्यों पर प्रभाव पड़ सकता है तथा इसके फलस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धा पर कुछ असर पड़ सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी, विशेषकर तब जबकि लगाया गया पाटनरोधी शुल्क उस राशि तक सीमित हो जो याचिकाकर्ता कंपनियों को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक हो। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों के हस्तेमाल से पाटन की वारंवाई से प्राप्त अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा। याचिकाकर्ता कंपनियों में गिरावट की रोका जा सकेगा तथा एन टी सी एफ के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता को बनाए रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों के हस्तेमाल से संबद्ध देशों से होने वाले आयात किसी भी रूप में से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए हमारे उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

### § 8 निष्कर्ष :

21. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा जा सकता है कि :

क. संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित नाइलान टायर काँर्ड फेब्रिक {एन टी सी एफ} का सामान्य कीमत से कम कीमत पर भारत को निर्यात किया गया है, जिसे पाटन हुआ है ;

ख. भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ;

ग. संबद्ध देशों से आयातों द्वारा सचयी रूप से क्षति पहुँची है ।

22. याचिकाकर्त्ता कंपनियों को हुई क्षति को दूर करने के लिए अपेक्षित पाटन-रोधी शुल्क की मात्रा का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी द्वारा याचिकाकर्त्ता कंपनियों के लिए क्षमता उपयोग केन्द्रित स्तर पर उत्पादन की दृष्टतम कीमत पर विचार करते हुए याचिकाकर्त्ता कंपनियों के लिए भारत में एन टी सी एफ की क्षति रहित बिक्री कीमत पर भरों सा विया गया है ।

### § 9 पहुँच मूल्य :

23. पहुँचमूल्य का निर्धारण, सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर तथा एक प्रतिशत उत्तरार्ध तथा दो प्रतिशत हेडलिंग प्रभारों को जोड़ने के पश्चात् संबद्ध देशों में एन टी सी एफ की निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है, जैसा कि पाटन में संबंधित उपर्युक्त पैरा में किए गए उल्लेखानुसार निर्धारित किया गया है ।

24. प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर पाटन-रोधी शुल्क की धनराशि अथवा ऐसे कम शुल्क की सिफारिश करने पर विचार किया है जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी ।

इस उद्देश्य के लिए, आयातों की औसत पहुँच कीमत की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनियों की क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ की गई थी। जहाँ-कहाँ भी उक्त अंतर पाटन मार्जिन से कम पाया गया था, वहाँ पाटन मार्जिन से कम शुल्क की सिफारिश की गयी है।

आगे की जाँच लंबित रहने तक दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, थाइलैंड तथा ताइवान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एन टी सी एफ के सभी आयातों पर अंतिम निवारण होने तक अंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना आवश्यक समझा जाता है।

तदनुसार, प्राप्तिवारी यह सिफारिश करते हैं कि दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, थाइलैंड तथा ताइवान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एन टी सी एफ के सभी आयातों पर अंतिम शुल्क लगाया जाए। सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय-59 के अंतर्गत आने वाले नीचे उल्लिखित देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एन टी सी एफ के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क की धनराशि निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है:-

क्र.सं. देश/निर्यातक	शुल्क की राशि (रुपए प्रति किग्रा.)
1. <u>दक्षिण कोरिया</u>	
मे० ह्योसांग	4.30
अन्य निर्यातक	4.30
2. <u>इंडोनेशिया</u>	
मे० पी टी जी टी	1.77
अन्य निर्यातक	1.77
3. <u>थाइलैंड</u>	
मे० थार्क बड़ोदा लि०	4.22
अन्य निर्यातक	4.22

4. ताम्बान

मे० फारमोसा टेफेटा का.लि.

5.32

अन्य निर्यातक

5.32

25. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य, सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 तथा 9 क के अंतर्गत लगाए गए अतिरिक्त सीमाशुल्क को छोड़कर सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित निर्वारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

८. आगे की प्रक्रिया

26. प्रारम्भिक निष्कर्षों को अधिसूचित किए जाने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-

- १क१ प्राधिकारी इन निष्कर्षों पर सभी हितबद्ध पक्षों की टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे और इन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा ।
- १ख१ निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ता तथा संबंधित समूहों के अन्य हितबद्ध पक्षों को प्राधिकारी द्वारा अलग में लिखा जा रहा है जो इस पत्र के जारी होने की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों में अवगत करा सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों में अवगत करा सकता है ।
- १ग१ प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन करेंगे ।
- १घ१ प्राधिकारी अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्य उजागर करेंगे ।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE****NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th October, 1999

**PRELIMINARY FINDINGS**

**Subject :** Anti-Dumping investigation concerning imports of Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) from Indonesia, South Korea, Thailand and Taiwan—Preliminary Findings

**No. 31/1/98-DGAD.**— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

**A. PROCEDURE**

- i. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:
- ii. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from Association of Synthetic Fibre Industry (ASFI), on behalf of domestic industry, alleging dumping of Nylon Tyre Cord Fabric (hereinafter referred to as NTCF), originating in or exported from Indonesia, South Korea, Thailand and Taiwan (hereinafter referred to as subject countries);
- iii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by petitioner, decided to initiate investigations against imports of NTCF from subject countries. The Authority notified the Embassies of subject countries about receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with Sub-Rule 5(5) of the Rules;
- iv. The Authority issued a public notice dated 26<sup>th</sup> February, 1999 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of NTCF classified under custom sub-headings 5902.10.00 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from the subject countries;
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with Rule 6(2);

- v. The Authority forwarded a copy of public notice to the known importers of NTCF in India and advised them to make their views known in writing within forty days from date of the letter;
- vi. Request was made to Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of NTCF for the past three years, including the period of investigation.
- vii. The Authority provided a copy of the petition to known exporter and the Embassies of subject countries in accordance with Rules 6(3) supra;
- viii. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporters from Indonesia, South Korea, Thailand and Taiwan, as mentioned below in accordance with the Rule 6(4).
  - M/s. PTGT Petrochem, Indonesia.
  - M/s. FCFC(Formosa Chemicals) & Formosa Taffeta Co.(FIC), Taiwan.
  - M/s. Thai Baroda Ltd., Bangkok, Thailand.
  - M/s. Hyosang(Tong Yang), Seoul, South Korea.

The response was received from all the exporters mentioned above.

- ix. The Embassies of subject countries in New Delhi were informed about initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to exporters was also sent to the Embassies, along with a list of known exporters/producers;
- x. A questionnaire was sent to the following known importers of NTCF in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4):
  - M/s. Apollo Tyres, New Delhi.
  - M/s. Birla Tyres, Calcutta.
  - M/s. Ceat Limited, Bombay.
  - M/s. Dunlop India Ltd., Calcutta.
  - M/s. JK Tyres, New Delhi.
  - M/s. MRF Ltd., Madras.
  - M/s. Modi Rubber Ltd., New Delhi.
  - M/s. Modistone Limited, New Delhi.
  - M/s. Vikrant Tyres, Mysore.
  - M/s. Post Kalamaseri, Distt. Emakulam, Kerala.
  - M/s. Fenner India Ltd., Kochadai, Madurai.
  - M/s. Madura Coats Ltd., New Jail Road, Madurai.

The following importers and their Associations responded to the information solicited by Designated Authority:-

- M/s. Automotive Tyre Manufacturers Association(ATMA),
  - M/s. Birla Tyres, Calcutta.
  - M/s. Vikrant Tyres Ltd., Mysore.
  - M/s. Modi Rubber Ltd., New Delhi.
- xi. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also received;
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by interested parties;
- xiii. The Authority conducted spot verification of domestic industry to the extent considered necessary.
- xiv. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP).
- xv. \*\*\*\* in this notification represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by Authority under the Rules.
- xvi. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> April, 1998 to 31<sup>st</sup> December, 1998.

**B. PETITIONER'S VIEWS:**

2. The petitioner have raised the following issues in their petition:

i) **ON DUMPING:**

- (a) The volume of imports from subject countries has increased by about 16% in 1997-98 in comparison to 1996-97. The increase in imports in 1998-99 has been by about 43% with reference to 1996-97. Thus, the volume of imports has increased significantly in absolute terms both with reference to 1996-97 and 1997-98.
- (i) The unit average prices have fallen by about 10% in 1997-98 in comparison to 1996-97. The average price in 1998-99(six months) is about 9%, lower than in 1996-97.
- (j) Even though, the unit price in 1998-99 would appear to be stagnating with reference to 1997-98, the prices have fallen in dollar terms as Rupee had depreciated by almost 10%.

- (d) In contrast to 16% increase in the value of imports from the dumped countries, the value of imports of subject goods from other countries has fallen by 34% in 1997-98 compared to 1996-97. The decline in the value in 1998-99 from the other countries is as much as 40% with reference to 1997-98.

ii) **ON INJURY:**

The petitioners claim to have suffered injury on the following comments:-

- a) The market share of domestic industry has declined from 79.24% to 73.57% in 1998-99.
- b) There has been significant decline in profitability of domestic industry over 1996-97. The profit has declined from Rs.\*\*\*\* Crores to Rs. \*\*\*\* Crores in 1997-98. The profitability in the six months ending Sept., 1998 was Rs.\*\*\*\* Crores.
- c) Inspite of increase in cost of production of domestic industry, the industry has been forced to reduce its selling price. This is sufficient evidence of price depression and price suppression.
- d) There has been a gradual decline in sales volume of the petitioner companies since 1996-97. The quantum of sales declined from \*\*\*\* MTs in 1996-97 to \*\*\*\* MTs in 1997-98. The sales volume in 1998-99, on an annualised basis was \*\*\*\* MTs. Thus, the decline in sales volume was to the extent of 11% in 1998-99, compared to 1996-97.
- e) The capacity utilisation of the petitioner companies was 89.44% in 1996-97 which declined to 80% in 1997-98. The capacity utilisation during the year 1998-99, on an annualised basis was 81.66%. Thus, capacity utilisation declined by around 8% in 1998-99 compared to 1996-97.

C. **VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES:**

3. The importers and exporters submitted the following arguments in connection with the Anti-Dumping investigation:-
- (a) Under the Anti-Dumping Rules, the application is not maintainable, as no communication has been made available disclosing authorisation by individual domestic producers to Association of Synthetic Fibre Industry.
- (c) Out of the five producers of the subject goods, at least two producers i.e. M/s. SRF Ltd. and M/s. Baroda Rayon Ltd. must be excluded from the purview of domestic industry, as defined under Rule 2(b) of Anti-Dumping Rules. M/s. SRF Ltd. cannot form a part of domestic industry, since it is related to M/s. SRF Overseas Ltd., which is a subsidiary of SFR Ltd. M/s. SRF Overseas Ltd. has its Office at Dubai and has been exporting subject goods to its parent company M/s. SRF Ltd., as well as to other tyre manufacturers. M/s. SRF accounts for 45.35% of the total production of domestic goods in India.



The other petitioner in the investigation, M/s. Baroda Rayon Corp., is related to M/s. Thai Baroda Industries Ltd.(TBIL), Thailand. M/s. Thai Baroda Industries Ltd. is a known exporter of subject goods and is also a party to the present investigation. The fact that Baroda Rayon Corp. Ltd., is related to TBIL, is evident from the fact that 25% of share holding of TBIL is directly held by M/s. Baroda Rayon Corp. and it accounts for 7.8% of the production of subject goods.

As such the exclusion of M/s. SRF Ltd. and M/s. Baroda Rayon Corp. would have the consequence of eliminating domestic producers together accounting for more than 50% of Indian domestic production of subject goods from the pervue of domestic industry. Therefore, the balance producers, together accounting for less than 50% of Indian domestic production of subject goods cannot constitute the domestic industry for the purpose of Rule 2(b), as those domestic producers whose collective output of the said article constitute a major portion of domestic production of that article.

Thus, the petition has not been filed on behalf of domestic industry as required under the Rules.

- (c) There is no dumping of the subject goods.
- (k) No actual data has been furnished by petitioner to substantiate material injury alleged to be caused by dumped imports from subject countries. The data needs to be given on the actual figures and not on a % basis with reference to some base figures.
- (l) The quantum of imports into India is much lower as compared to the quantum of production. Therefore, such small amount of imports cannot be suggested to be injurious to domestic industry. The short fall in domestic demand and production has to be necessarily met through imports.
- (m) The domestic industry is not supplying certain deniers, as required by the tyre industry.
- (n) The volume of imports has declined in the period of investigation and the capacity utilisation of domestic industry has increased. As such there is no proof of injury to domestic industry.
- (o) It has been argued by M/s. Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA) that the profitability of domestic industry from subject goods has improved. M/s. SRF Ltd. that is a major producer of the subject goods has made very good returns on the capital employed. The profitability of the other companies, has also increased. Some of the companies, which may not be doing well may be incurring losses in the other products. In view of the same, there is no material injury to domestic industry and the question of Causal link does not arise.

- (i) No causal link between the dumping and material injury has been substantiated.

#### **EXAMINATION OF ISSUES RAISED:**

The submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined and issues raised with reference to the Rules and having a bearing on this case have been considered and dealt with at appropriate places in the notification.

#### **D. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:**

4. The product under consideration in the present investigation is "Nylon Tyre Cord Fabric" originating in or exported from Indonesia, Thailand, South Korea and Taiwan. The NTCF finds application in different kinds of tyres like Bus & Truck Tyres, 2 wheeler Tyres, Light Commercial Vehicles, Animal Drivers Vehicles etc. The NTCF also finds application in the Non-Tyre Industries. The NTCF are of various deniers. It is classified under the Customs Sub-heading 5902.10.00 of Customs Tariff Act. The Classification is however indicative only and is in no way binding on the scope of present investigation.

#### **E. LIKE ARTICLES**

5. The petitioner has claimed that NTCF being produced and sold by the Domestic Industry and those imported from subject countries, are being used interchangeably by customers in India. The process and technology for manufacturing the product all over the world is similar in terms of machinery, raw materials, manufacturing process except for minor differences such as additives, automation in material handling etc. NTCF is produced and sold in various deniers. None of the interested party has disputed claims made by the petitioner.

In view of the same, Authority holds that NTCF being produced by domestic industry and those being imported from the subject countries can be used interchangeably and thus are commercially and technically substitutable and therefore, are Like Articles within the meaning of the Rules.

#### **F. DOMESTIC INDUSTRY**

6. The present petition for Anti-Dumping investigation has been filed by the Association of Synthetic Fibre Industry (ASFI) on behalf of domestic producers i.e. M/s. SRF Ltd., M/s. Nirlon Ltd., M/s. Century Enka Ltd. and M/s. NRC Ltd.

The petition has been supported by other domestic producer M/s. Baroda Rayon Ltd. It has been claimed by petitioners that the four petitioner companies and the other supporting company M/s. Baroda Rayon Ltd. are the only producers of NTCF in India and hence the petition has support of all the domestic manufacturers of NTCF in India and fulfills the requirement of requisite standing as required under the Rules.

It has been argued by the exporters and other interested parties that M/s. SRF Ltd. have imported the subject goods during the period of investigation through a related company M/s. SRF Overseas Ltd. They being related to the importers, cannot file petition for Anti-Dumping investigation. Similarly, M/s. Baroda Rayons Ltd are related to one of the exporters M/s. Thai Baroda Ltd., which is an exporter under investigation. Therefore, both these companies cannot be the petitioners in Anti-Dumping investigation. Both these companies accounts for majority of domestic production of NTCF in India and therefore, the petition lacks requisite support from domestic industry as required under the Rules.

The issue with regard to the standing of the petitioner has been examined by Designated Authority. Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of the Anti-Dumping Rules are relevant in this regard and they provide as under:-

**"2(b):** "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry."

**'5(3)(a):** It determines, on the basis of an examination of the degree of support for, or opposition to the application expressed by domestic producers of the like product, that the application has been made by or on behalf of the domestic industry:

Provided that no investigation shall be initiated if domestic producers expressly supporting the application account for less than twenty five per cent of the total production of the like article by the domestic industry."

The Authority notes that during the POI M/s. SRF Ltd. imported \*\*\*\* MTs of NTCF from M/s. SRF Overseas Ltd., Dubai at an average price of US\$ \*\*\*\*per Kg. The imports by M/s. SRF Ltd. represented 0.24% of the total imports from subject countries during the POI. Besides, the imports by M/s. SRF Ltd. represented only 0.08% of the total production of NTCF of domestic industry during the POI. There is no evidence of any other imports by M/s. SRF Ltd. from its related company M/s. SRF Overseas Ltd. during the POI. The Authority notes that the quantum of imports by M/s. SRF Ltd. from its related company M/s. SRF Overseas Ltd., Dubai were in very insignificant quantities and would not justify the exclusion of M/s. SRF Ltd. from the scope of domestic industry.

The Authority notes that M/s. Baroda Rayon Ltd. are a company related to M/s. Thai Baroda Industries Ltd., who themselves are exporters of the subject goods and are subject to investigation in the present case. However, the present petition has been filed by four producers representing the domestic industry. M/s. Baroda Rayon Ltd. have merely supported the petition filed by other producers representing the domestic industry and as such M/s. Baroda Rayon Ltd. is not an active applicant in the present petition.

With the exclusion of M/s. Baroda Rayon Ltd., the Authority notes that the other four manufacturers of subject goods in India have the requisite standing to represent the domestic industry.

G. **DUMPING:**  
**NORMAL VALUE:**

7. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:
- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the Rules made under sub-section (6); or
  - (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
    - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the Rules made under sub-section (6); or
    - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the Rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

**H. CLAIMS BY THE EXPORTERS:**

8. The arguments by the exporters with regard to the Normal Value, Export Price and the Dumping Margin, are discussed as under:-

(i) **M/S. PTGT PETROCHEM, INDONESIA:**  
**NORMAL VALUE:**

The exporter have claimed that there are no sales of subject goods in domestic market. Besides, there are no export sales of the subject goods to any country other than India. In view of the same, the exporter have claimed Normal value for the subject goods based on its cost of production along with a reasonable addition of administration, selling and general cost and profits. The information relates to the period from January to December, 1998.

**EXPORT PRICE:**

The exporter have furnished invoice-wise details of the export sales to India during the period of investigation. During the period, the exporter supplied \*\*\*\* MT of NTCF of varying grades at a total CIF price of US\$ \*\*\*\*Million. The average CIF price for various grades of NTCF is claimed as US\$ \*\*\*\*per Kg. The Company has claimed overseas freight, insurance, commission, inland freight, shipping charges and handling expenses to arrive at Ex-factory cost of Export sales.

(ii) **M/S. HYOSANG,(TONG YANG), SOUTH KOREA:**

**NORMAL VALUE:**

The company claimed that it has sold NTCF of different deniers to India during the period of investigation. However, it claimed that subject goods have not been sold in domestic market. The exporter, however, furnished details on the cost of production of NTCF for various grades exported to India.

**EXPORT PRICE:**

M/s. Hyosang furnished denier-wise details of export sales to India. The deductions have been claimed in respect of overseas freight, overseas insurance and other expenses to arrive at FOB export price. Further, deductions have been claimed in respect of inland freight, handling and other expenses to arrive at Ex-factory export price. Accordingly, the exporter have claimed varying Ex-Factory Export Prices in respect of various deniers of NTCF.

Accordingly the exporters have claimed no dumping of subject goods being exported to India.

(iii) **M/S. THAI BARODA LTD., THAILAND.**

The company claimed that it has exported NTCF of different deniers to India during the period of investigation. However, it has not sold any of specified grades of NTCF in domestic market or to any other third country during the period of investigation. Therefore, no details on domestic sales or the sales to third countries have been furnished. The company has, however, furnished the cost structure in respect of sale of subject goods to India. It has claimed a cost of production of Thai Bhat \*\*\*\* to \*\*\*\* per Kg. in respect of different deniers of NTCF exported to India.

**EXPORT PRICE:**

The company has furnished the invoice-wise details of export sales to India during the period of investigation. The company sold \*\*\*\* MTs of different grades of NTCF to India at an average CIF price of US\$ \*\*\*\*. The company has claimed deduction in respect of clearing and handling after the Ex-factory level of sales and accordingly, the factory cost for export sales has been claimed.

9. **TAIWAN:**

**NORMAL VALUE:**

M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd. in their response stated that it has exported grey NTCF of different grades to India during period of investigation. However, these grades of NTCF are not sold in domestic market nor in export market to third countries. The company, however, furnished its cost of production of NTCF of various grades.

**EXPORT PRICE:**

The exporter have furnished denier-wise details of exports of NTCF to India during period of investigation. The exporters have claimed a commission @ \*\*\*\* % on all the sales. Further, expenses have been claimed on packing, Inland freight, Overseas freight, Overseas insurance and cleaning and handling to arrive at Ex-factory cost of export sales.

Accordingly, M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd. claimed that subject goods have been exported to India at a fair price.

10. **EXAMINATION OF EXPORTERS CLAIMS BY THE AUTHORITY:**

The Authority notes that NTCF being exported to India is a grey fabric. On the other hand the exporters sell dipped fabric in domestic market and in export sales to third countries. The dipped fabric differs from the grey fabric in that it requires further processing from the stage of grey fabric.

Therefore, while all the manufacturing costs up to the grey fabric stage are common, further chemical treatment and processing of grey fabric is done for manufacturing the dipped fabric. Since the grey fabric is neither sold in domestic market nor in export markets to third countries and no domestic sale price or export price to third countries are available, the Authority has considered the cost of production of individual exporters for grey fabric with reasonable addition of administration expenses, selling expenses and profit margins to consider the normal value, as required under the Rules. For this purpose the cost data, to the extent made available by the exporters, was verified and the normal values in case of individual exporters from the subject countries have been assessed. The normal value and export prices have been assessed by Authority on an average basis and no separate assessments have been considered by Authority for varying grades/deniers.

The claims of individual exporters with regards to Normal Value, Export Price and Dumping Margin have been examined by Designated Authority and are discussed herein under:-

11. M/S. PTGT PETROCHEM, INDONESIA:

NORMAL VALUE:

M/s. PTGT Petrochem, furnished details of cost of production of grey fabric and dipped fabric in Indonesia. During 1988, the company produced \*\*\*\* MTs of NTCF which included \*\*\*\* MTs of dipped fabric which was exported to India. The total manufacturing cost incurred by company excluding dipping cost was US\$ \*\*\*\* Million. Further, M/s. PTGT, Indonesia had incurred selling and distribution expenses, general administrative expenses and financial charges. Thus, actual cost of production of grey fabric in case of M/s. PTGT, Indonesia is US\$ \*\*\*\*per Kg. After considering a reasonable profit margin, Authority has considered Normal value in case of M/s. PTGT, Indonesia as US\$ \*\*\*\*/ Kg. The company has incurred expenses on packing charges, commission on sales and inland freight and same has been allowed by Authority. After adjustment, the Authority has determined Ex-factory domestic price in case of M/s. PTGT, Indonesia at US\$ \*\*\*\*per Kg.

EXPORT PRICE:

M/s. PTGT, Indonesia exported \*\*\*\* MTs of grey fabric to India during the POI at an average CIF price of US\$ \*\*\*\*Kg. The company incurred expenses on overseas freight, insurance, packing cost and commission and inland freight in respect of export sales and the same has been allowed by Authority. Accordingly, the Ex-factory export price in case of M/s. PTGT, Indonesia has been considered by Designated Authority as US\$ \*\*\*\*Kg.

In view of the above, the Authority assessed the dumping margin in case of M/s. PTGT, Indonesia is US\$ \*\*\*\* per Kg. or 9.26%.

**12. SOUTH KOREA:****NORMAL VALUE:**

The information furnished by M/s. Hyosang (Tong Yang), Korea was verified by Designated Authority. The Authority notes that M/s. Hyosang Corporation is a multi-product unit having various Divisions producing different products. During verification additional information was solicited by Authority from M/s. Hyosang regarding cost of production, the sales and production details of various Divisions, basis of allocation of expenses, details of prices of major raw materials and investments in industrial material Divisions which produce the product under reference. However, requisite details were not made available by M/s. Hyosang. In the absence of requisite information from exporter, the details of cost of production as made available by M/s. Hyosang could not be verified. In view of the same, Authority has disregarded information on cost of production as made available by M/s. Hyosang and has proceeded to determine the normal value based on best available information. The normal value in the case of South Korea was considered by Authority at the time of initiation based on constructed cost of production of NTCF in South Korea. In view of non-co-operation by exporter from South Korea, Normal value has been considered by Authority based on constructed cost of production after appropriate adjustment to arrive at Normal value. Accordingly, the constructed cost of production in case of M/s Hyosang has been considered by Authority as US\$ \*\*\*\* per Kg.

**EXPORT PRICE:**

The exporter M/s. Hyosang furnished invoice-wise detail of exports made to India during the POI. The Authority notes that \*\*\*\*MT of Grey NTCF was exported by M/s. Hyosang for a CIF price of US\$ \*\*\*\* Million. The Authority further notes that some of the invoices included interest on credit sales to exporters for varying period. The quantum of interest was US\$ \*\*\*\*. The same has been deducted by Authority from the CIF value. Accordingly, Authority has considered average CIF price of exports as US\$ \*\*\*\* per Kg. Further M/s. Hyosang have incurred expenses on overseas freight, insurance, commission, inland freight before the Ex-factory export price. The expenses being on actual basis have been allowed by Authority. Thus, Authority has considered Ex-factory export price in case of M/s. Hyosang as US\$ \*\*\*\* per Kg.

Therefore, Authority has assessed the dumping margin at US\$ \*\*\*\* per Kg. or 8.70 %.

**14. M/S. THAI BARODA LTD., THAILAND:****NORMAL VALUE:**

M/s. Thai Baroda furnished details on cost of production of grey fabric. The cost of production of grey fabric, as made available by exporter was verified by Designated Authority during verification visit. The Authority



notes that grey fabric is being exported to India at a price below its cost of production. The cost of production of grey fabric in respect of M/s. Thai Baroda Ltd. has been considered by Designated Authority as the basis for normal value. M/s. Thai Baroda Ltd. produced \*\*\*\* MTs of grey fabric during POI at a total cost of US\$ \*\*\*\* Million. Thus, the average cost of production of grey fabric in respect of M/s. Thai Baroda Ltd. has been considered as US\$ \*\*\*\* per Kg. After considering a reasonable profit margin, the Normal Value of grey fabric in case of M/s. Thai Baroda Ltd. has been considered as US\$ \*\*\*\* per Kg..

#### **EXPORT PRICE:**

The company furnished invoice-wise details of exports made to India of grey fabric during the POI. The company exported \*\*\*\* MTs of grey fabric to India for a total CIF price of \*\*\*\* Million Bhats (equivalent US\$ \*\*\*\* Million). The average CIF price of export sales to India during the period of investigation was US\$ \*\*\*\*. The company incurred expenses on ocean freight and ocean insurance. The expenses on ocean freight included Trucking charges, Custom services, Port charges and Shipment expenses. These expenses have been allowed by Authority, as claimed. Therefore, the Ex-factory export price in case of M/s. Thai Baroda has been considered by Authority as US\$ \*\*\*\* per Kg.

Thus, dumping margin in case of M/s. Thai Baroda Ltd. has been assessed by Designated Authority at US\$ \*\*\*\* per Kg. or 67.33%.

#### **14. TAIWAN:**

##### **NORMAL VALUE:**

The cost data made available by M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd was verified by Designated Authority. The company produced \*\*\*\* MTs of grey fabric of different deniers at an average cost of production of US\$ \*\*\*\* per Kg. After allowing for a reasonable profit margin, the Authority has considered Normal value at US\$ \*\*\*\* per Kg. After deducting packing cost and clearance and handling cost, the Authority has determined Normal value in case of M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd. at US\$ \*\*\*\* per Kg.

##### **EXPORT PRICE:**

M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd. exported \*\*\*\* MTs of grey NTCF to India at an average CIF price of US\$ \*\*\*\* per Kg. The Authority has allowed expenses on account of commission, ocean freight, ocean insurance, clearing and handling, packing and inland freight as per actuals. Accordingly, the Ex-factory price for export sales to India has been considered by Authority as US\$ \*\*\*\* per Kg. Thus the dumping margin in case of M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd. is assessed as US\$ \*\*\*\* or 8.97%.

**DUMPING MARGIN IN CASE OF NON-CO OPERATIVE EXPORTERS:**

The Authority made a reference to the exporters, as per details made available by petitioners. The response was also received from only those exporters to whom the reference was made by Authority. The Authority notes that no response has been received from any other exporter who may be dumping the subject goods with higher dumping margin. Therefore, in respect of Non-co-operative exporters, the Authority has assessed Normal value, as claimed by petitioner. However, export price in case of Non-co operative exporters has been considered by Authority based on information as made available by co-operative exporters.

Accordingly, the Authority assess the dumping margins in case of individual exporters from subject countries as under:-

**Value In US\$**

S. No	Countries/Exporters	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping %
1.	<u>Indonesia</u>				
	M/s. PTGT Petrochem	****	****	****	9.26
	Other Exporters	****	****	****	66.14
2.	<u>South Korea</u>				
	M/s. Hyosang	****	****	****	8.70
	Other Exporters	****	****	****	38.64
3.	<u>Thailand</u>				
	M/s. Thai Baroda Ltd.	****	****	****	67.33
	Other Exporters	****	****	****	121.88
4.	<u>Taiwan</u>				
	M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd.	****	****	****	8.97
	Other Exporters	****	****	****	79.89

**I. INJURY:**

15. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
16. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra.
17. The various parameters indicating injury to the domestic industry are as follows:-

**(i) MARKET SHARE AND QUANTUM OF IMPORTS:**

The quantum of imports of NTCF in 1996-97 was 9652 Mts. with share of subject countries at 80% of total imports. However, during the year 1997-98 quantum of imports increased to 10210 MTs. with the share of subject countries increasing to as much as 88% of total imports. The increase in volume of imports from subject countries in 1997-98 was as much as 16% over 1996-97. In the period of investigation, the quantum of imports was 9116.2 MTs. while the share of subject countries was to the extent of 88.5%. The volume of imports from subject countries have gone up in the period of investigation on an annualised basis by 35% over 1997-98.

It is further observed by Authority that there has been a gradual decline in the market share of the domestic industry. The Domestic Industry represented 79% of the market share during 1996-97 which declined to 76.8% in 1997-98 and it further declined to 73.2% during the period of investigation.

**(ii) PROFITABILITY:**

The Profitability of petitioner companies from product under consideration was Rs. \*\*\*\* Crores during the year 1996-97. However, the profitability declined to Rs. \*\*\*\* Crores during the year 1997-98. The profits of the petitioner companies from product under consideration during the POI was Rs. \*\*\*\* lacs. Thus, the profitability of petitioner companies from product under consideration declined by 68.3% during POI on an annualised basis over 1997-98.

(iii) **SALES VOLUME:**

The petitioner companies sold \*\*\*\* MTs of NTCF during the year 1996-97 which declined to \*\*\*\* MTs during the year 1997-98 representing a decline of 10.1% over the year 1996-97. However, there was a marginal increase in sales volume during POI. The petitioner companies sold \*\*\*\* MTs of NTCF during POI which on an annualised basis was \*\*\*\* MTs.

(iv) **SALES:**

The total sales of petitioner companies of subject goods in domestic market during the year 1996-97 were Rs.\*\*\*\* Crores which declined to Rs. \*\*\*\* Crores during the year 1997-98. This represented a decline of 11.8% over the previous year. The total sales of NTCF during POI was Rs. \*\*\*\* Crores which on an annualised basis comes to Rs. \*\*\*\* Crores.

(v) **SALES REALISATION:**

The average sales realisation of the petitioner companies from sales of NTCF was Rs.\*\*\*\* per Kg. during 1996-97 and it declined to Rs.\*\*\*\* per Kg. during 1997-98 representing a decline of 2%. During POI the average sales realisation of petitioner companies was Rs. \*\*\*\* per Kg.

(vi) **PRODUCTION:**

There has been significant decline in production of petitioner companies during the year 1997-98 compared to previous year. The total production of NTCF of petitioner companies during 1996-97 was\*\*\*\* MTs which declined to \*\*\*\*MTs during 1997-98 representing a decline of 8.63% the actual production during POI was \*\*\*\*MTs.

(vii) **CAPACITY UTILISATION:**

The capacity utilisation of the petitioner companies has declined from 93.82% in 1995-96 to 86.92% in 1996-97 and it further declined to 77.78% in 1997-98. However, the capacity utilisation during the POI has increased to 83.41%.

(viii) **CLOSING STOCKS:**

The closing stocks held by the petitioner companies have also increased gradually since 1996-97. The closing stocks in 1995-96 were \*\*\*\* MTs and increased to \*\*\*\* MTs during 1996-97 and it further increased to \*\*\*\* MTs during the year 1997-98. The closing stocks held by petitioner companies as on 31.12.1998 were \*\*\*\* MTs.

(ix) **RETURNS ON CAPITAL EMPLOYED:**

The arguments by interested parties that returns on capital employed and operating margin for domestic producers have improved significantly has been examined by Authority. The Authority notes that profitability of M/s. SRF Ltd. one of the petitioners in the present investigations has improved significantly during 1998-99 over 1997-98. However, Authority notes that the improvement in profitability of company has been primary on account of financial restructuring, through induction of fresh equity, repayment of borrowings and corresponding lower incidence of interest cost. During the POI, there is marginal decline in operating profits before Interest and Taxes as percentage of sales in case of M/s. SRF Ltd. Moreover, M/s. SRF Ltd. is a multi-product company and the sales of subject goods constitutes only \*\*\*\* of total turnover of the company. In an Anti-Dumping investigations, profitability from operation of product under consideration would be a more relevant factor than the over all profitability of the individual company. The profitability of domestic industry from subject goods has declined significantly.

J. **CAUSAL LINK:**

18. The Authority notes from the above that the volume of imports from the subject countries have gone up during the POI. The market share of subject countries in the total imports has also increased substantially. On other hand, the market share of the domestic industry has declined significantly over a period of time. The imports of subject goods to India have been at a price below its Normal value. This has resulted in erosion of profitability of domestic industry. The sales volumes, average sales realisation, production, capacity utilisation of the domestic industry also indicates declining trends over a period. In view of the above, the Authority concludes that the domestic industry has suffered injury from dumped imports from subject countries.

K. **INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

19. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the petitioner companies and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
21. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the petitioner companies. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the petitioner companies and help maintain availability of wider choice to the consumers of NTCF. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the

subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

**L. CONCLUSIONS:**

21. It would be seen, after considering the foregoing, that:

- a. Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) originating in or exported from the subject countries has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- b. The Indian industry has suffered material injury
- c. The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject country.

22. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the petitioner companies, the Authority has relied upon Non-injurious selling price of NTCF in India for the petitioner companies, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the petitioner companies.

**M. LANDED VALUE:**

23. The landed value has been determined on the basis of export price of NTCF from subject countries determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

24. The Authority considered to recommend the amount of Anti-Dumping Duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to domestic industry. The average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the Non-injurious selling price of the petitioner companies, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of NTCF originating in or exported from South Korea, Indonesia, Thailand and Taiwan pending further investigations.

Accordingly, the Authority recommends that provisional duties be imposed, on all imports of NTCF originating in or exported from South Korea, Indonesia, Thailand and Taiwan. The anti-dumping duty shall be the amounts indicated in the table below, to be imposed from the date of Notification to be issued in this regard by the Central Govt. on all the imports of Nylon Tyre Cord Fabric falling under Chapter 59 of the

Customs Tariff, originating in or exported from the countries mentioned below :-

S. No.	Countries/Exporters	Amount of Duty (Rs. per Kg.)
1.	<u>South Korea</u>	4.30
	M/s. Hyosang	
	Other Exporters	4.30
2.	<u>Indonesia</u>	
	M/s. PTGT	1.77
	Other Exporters	1.77
3.	<u>Thailand</u>	
	M/s. Thai Baroda Ltd.	4.22
	Other Exporters	4.22
4.	<u>Taiwan</u>	
	M/s. Formosa Taffeta Co. Ltd.	5.32
	Other Exporters	5.32

25. The Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except Additional duty of Customs levied under Section 3, 3A, 8 B, 9 and 9A of the Customs Act, 1975.

**N. FURTHER PROCEDURE:**

26. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-
- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
  - Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
  - The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
  - The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

RATHI VINAY JHA. Designated Authority

